Opening Statement

Water body is the conjunction point of water, Air and Soil. **At Indivirtus**, we don't clean Water Bodies, but make them healthy, which results in **"Restoration of the entire Ecosystem"**. We focus on Making the water body healthy, using proven, scientific and well documented process. This results in improving natural Aqua Eco System. The ripple effect is observed in Soil, Water as well as Air. There is qualitative and quantitative reduction in Air pollution and improvement in Soil quality

1. How Indivirtus does it:

a. 3 step process – Resurrection, Restoration and Rejuvenation.
b. In-Situ process – No de-watering
c. No Mechanical dredging/No chemicals /No Biological process
d. No Sludge Removal - Sludge is used as nutrients for aquatic life
e. One time removal of Floating Weeds, Plastics or other non-degradable items.
f. Intermittent removal of floating plastics or other non-degradable items which is stuck in sludge and may start floating during treatment as the sludge start getting consumed.
g. No need to Stop any inlets (Sewage/Nallah/ Industrial Effluents etc.)
h. Use of 100% botanical Extract– Eco Friendly, Sustainable, Nature based Solution
i. "Eco-dredging," naturally consumes bottom sludge deposits, maintaining the waterbody's natural holding capacity and healthy soil capillary links, leading to perennial fresh water for all life.

2. Benefits/ Outcome of In-Situ Waterbody Rejuvenation:

1. **Carbon Sequestration:** Waterbodies absorb GHGs, becoming carbon sinks.
2. **Temperature Regulation:** Mitigates Urban Heat Island effect, improving microclimate.
3. **Air Quality Improvement:** Captures particulate matter, enhancing local air quality.
4. **Biodiversity Boost:** Supports diverse flora & fauna, restoring ecological balance.

5. **Oxygen Enrichment:** Improves aquatic & ambient air quality.
6. **Water Quality Enhancement:** Prevents foul smell, viscosity, invasive weeds and attains Class B water quality.
7. **Disease Prevention:** Reduces mosquito & pathogen prevalence.
8. **Groundwater Recharge:** Improves water retention, aquifer correction by decomposing sludge and preventing Urban Flooding and Droughts.
9. **Aquatic Life Revival:** Supports fish, birds, & other organisms.
10. **Socio-Economic Growth:** Increases property values, tourism, & recreation.
11. **Environmental Credits:** Generates carbon, biodiversity, water, sanitation & emission credits.

3. Journey till date:

- 90+ Projects across 13 states, 30 cities.
- More than 20 national/International awards/ accreditations/ Appreciations.

भूमिका (Introduction)

जल निकाय (Water body) जल, वायु एवं मृदा का संगम स्थल है। **इंडिवर्टस (Indivirtus)** में हम सिर्फ जलाशयों की सफाई नहीं करते, बल्कि उन्हें **स्वस्थ बनाते हैं**, जिससे सम्पूर्ण **पारिस्थितिकी वातावरण (Ecosystem)** का पुनर्स्थापन होता है। हम वैज्ञानिक और प्रामाणिक प्रक्रिया से जलाशय को स्वस्थ बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। इसका सकारात्मक परिणाम जल वायु एवं मृदा तीनों पर दिखता है। इससे वायु प्रदूषण में कमी आती है और मिट्टी की गुणवत्ता सुधरती है।

1. क्रियान्वयन प्रणाली:

a. **3 चरण की प्रक्रिया:** पुनर्जीवन (Resurrection), पुनर्स्थापन (Restoration) और पुनरोद्धार (Rejuvenation)।
b. जल निकाय को खाली करने या सुखाने की ज़रूरत नहीं है।
c. मशीन से किसी तरह की खुदाई, किसी केमिकल या किसी कृत्रिम जैविक प्रक्रिया का कोई उपयोग नहीं ।
d. कीचड़ (Sludge) हटाने की ज़रूरत नहीं है। इसके बजाय, कीचड़ को जलीय जीवन (aquatic life) के लिए पोषक तत्व की तरह इस्तेमाल किया जाता है।
e. प्रक्रिया के आरंभ में, तैरते हुए खरपतवार, प्लास्टिक या अघुलनशील अपशिष्टों को एक बार हटाना होता है, जिससे प्रकाश संश्लेषण (photosynthesis) की प्रक्रिया प्रारंभ हो सके।
f. समय-समय पर प्लास्टिक या अन्य अघुलनशील अपशिष्ट, जो कीचड़ (Sludge) में फंसे होते हैं और उपचार के दौरान ऊपर आ सकते हैं, उन्हें निकाला जाता है।
g. जलाशय में मिलने वाले किसी भी नाले या सीवेज का इनलेट बंद करने की आवश्यकता नहीं है।
h. हम 100% प्राकृतिक और बॉटनिकल एक्सट्रैक्ट के साथ काम करते हैं। यह जल शोधन एवं संवर्धन का एक पूर्णत: पर्यावरण हितैषी, टिकाऊ और प्रकृति-आधारित समाधान है।
i. "हमारी इको-ड्रेजिंग पद्धति " द्वारा कीचड़ (Sludge) स्वत: नष्ट होत है, जिससे जलाशय की प्राकृतिक क्षमता बनी रहती है और सालभर ताज़ा पानी उपलब्ध होता है।

2. जल स्त्रोत को मूल स्थिति में पुनर्जीवित करने करने के फायदे/ परिणाम:

1. **कार्बन पृथक्करण:** जलस्रोत ग्रीनहाउस गैसों को अवशोषित कर कार्बन सिंक बन जाते हैं।
2. **तापमान विनियमन:** शहरी ऊष्मा के प्रभाव को कम करता है, वातावरण में सुधार करता है।
3. **वायु गुणवत्ता सुधार:** पार्टिकुलेट मैटर (PM 2.5 / 5 / 10) को पानी में कैप्चर कर वायु गुणवत्ता में सुधार करता है।
4. **जैव विविधता में उन्नति:** विविध वनस्पतियों और जीवों को समर्थन देता है, पारिस्थितिक संतुलन बहाल करता है।
5. **ऑक्सीजन संवर्धन:** जलीय और परिवेशी वायु गुणवत्ता में सुधार करता है।
6. **जल गुणवत्ता सुधार:** दुर्गंध, खरपतवारों को रोकता है और पानी में लहरें उत्पन्न करता है। बी केटेगरी का पानी प्राप्त होता है।
7. **रोग रोकथाम:** मच्छरों और पानी से होने वाले रोगों को कम करता है।
8. **भूजल पुनर्भरण:** स्लज को ख़त्म कर जल धारण क्षमता में सुधार करता है, भूमि के नीचे जल भंडार में सुधार करता है।
9. **जलीय जीवन पुनरुद्धार:** मछलियों, पक्षियों और अन्य जीवों को समर्थन देता है।
10. **सामाजिक-आर्थिक वृद्धि:** संपत्ति के मूल्य, पर्यटन और मनोरंजन बढ़ाता है।
11. **पर्यावरणीय क्रेडिट:** कार्बन, जैव विविधता, जल, स्वच्छता और उत्सर्जन क्रेडिट उत्पन्न करता है।

3. अब तक का सफ़र:

- 13 राज्य के 30 शहरों में 90+ प्रोजेक्ट्स।
- 20+ राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार/ मान्यताएं/ प्रशंसा पत्र।